

I urge upon the Government to immediately start admissions for the current year and to restore democratic rights of all concerned in University.

(xvi) *Installation of a T.V. transmitting station at ujjain and high powered transmitting stations at divisional headquarters of M.P.*

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : छठी पंचवर्षीय योजना में मध्य प्रदेश में दूरदर्शन विस्तार कार्यक्रम के अन्तर्गत घोषित नए दूरदर्शन केन्द्रों से 70 प्रतिशत जन संख्या प्रसारण से वंचित रहेगी जबकि सरकार का लक्ष्य देश की 70 प्रतिशत जन संख्या तक दूरदर्शन प्रसारण निर्धारित किया गया है। मध्य प्रदेश में इन्दौर भोपाल में उच्च शक्ति तथा दस स्थानों पर अल्प शक्ति प्रसारण यंत्र की स्थापना प्रस्तावित है। किन्तु उक्त प्रस्ताव से जहां मध्य प्रदेश के मन्दसौर झाबुआ, खंडवा, शाजापुर, राजगढ़, गुना, शिवपुरी, भिंड, मुग्ना सहित आधे से अधिक जिला केन्द्रों को दूरदर्शन प्रसारण उपलब्ध नहीं होगा वहीं दो तिहाई जनसंख्या तक प्रसारण नहीं पहुंच पाएगा। प्रसारण को व्यापक बनाने हेतु यह आवश्यक है कि उज्जैन सहित सभी संभाग के मुख्यालय केन्द्रों पर उच्च शक्ति प्रसारण केन्द्र स्थापित किए जाएं। उक्त उच्च शक्ति प्रसारण केन्द्रों के स्थापित होने तक सभी संभाग मुख्यालयों पर अल्प शक्ति दूरदर्शन प्रसारण केन्द्रों से दूरदर्शन का प्रसारण किया जाए। सरकार द्वारा घोषित उच्च शक्ति तथा अल्प शक्ति दूरदर्शन प्रसारण केन्द्रों की स्थापना का कार्यक्रम निश्चित कर निर्धारित समय में पूरा किया जाए तथा वर्तमान में दूरदर्शन प्रसारण में जो कमियां हैं उन्हें दूर किया जाए।

अतएव मेरा केन्द्रीय सरकार से आग्रह है कि उज्जैन में दूरदर्शन प्रसारण केन्द्र स्थापित

करें तथा मध्य प्रदेश में दूरदर्शन प्रसारण को अधिकाधिक जनसंख्या तक पहुंचाने के लिए सभी संभागीय मुख्यालय केन्द्रों पर उच्च शक्ति प्रसारण केन्द्र स्थापित किए जाएं जिससे मध्य प्रदेश के भी जिलों को समान रूप से दूरदर्शन प्रसारण की सुविधा उपलब्ध हो सके।

(xvii) *Irregularities in Doordarshan Kendra, Bombay*

SHRI RATANSINH RAJDA (Bombay South) : Television is an acknowledged mass media disseminating knowledge, information and providing entertainment to the people. Its efficacy lies in communicating in audio-visual form the subject matter to the masses in different parts of the country.

This House has often discussed the functioning of Doordarshan Kendras, types of programmes provided by them, and the scope of improvement in the quality of programmes.

Citizens of Bombay have been perturbed at the way the Doordarshan Kendra in that commercial capital functions. Apart from the poor quality of the programmes which leave much to be desired, irregularities, malpractices prevail on a large-scale in Bombay Doordarshan Kendra. Government is thus defrauded of large amounts. There are instances of fictitious and bogus payments.

With a view to perpetuate this nefarious game, artists and writers of repute are kept at bay as they would not succumb to the irregular practices followed. Every check should be exercised to ensure that payment is not made to fictitious persons.

Such malpractices bring into disrepute the entire functioning of Doordarshan Kendras. I, therefore, demand that a thorough inquiry should be conducted into the affairs of various sections of Bombay T.V. especially Gujarati section which is bound to bring out many skeletons from the cupboards of those indulging in highly objectionable, unlawful, malpractices in conducting Doordarshan programmes.